विधान परिषद के तृतीय सत्र, 2023 के प्रथम गुरुवार के लिए निर्धारित श्री ध्रुव कुमार त्रिपाठी, मा0 सदस्य, विधान परिषद द्वारा पूछे गए अतारांकित प्रश्न संख्या-1 का उत्तर।

प्रश्न

1(क) क्या बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बतायेंगे कि जनपद-महराजगंज में विगत तीन वर्षो से कितने कुपोषण के शिकार बच्चे चिन्हित किए गये ?

(ख) उक्त कुपोषण के शिकार बच्चों को पोषणयुक्त बच्चे बनाने हेतु कौन-कौन से उपाय किये गये तथा कितने बच्चों को कुपोषण से बचाया गया ?

उत्तर

जी हॉ। जनपद महराजगंज में विगत तीन वर्षों में चिन्हित कुपोषित बच्चों की संख्या निम्नवत है:-

क्र0सं0	वर्ष	कुपोषित बच्चों की संख्या
1	2020-21	135681
2	2021-22	96548
3	2022-23	67911

प्रदेश में समन्वित बाल विकास योजना के अन्तर्गत 06 वर्ष आयु तक के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा 08 आकांक्षात्मक जनपदों में 14 से 18 वर्ष की किशोरी बालिकाओं हेतु निम्न सेवायें प्रदान की जा रही हैं:-
(1)अनुपूरक पोषाहार, (2) स्वास्थ्य प्रतिरक्षण (टीकाकरण), (3) स्वास्थ्य जॉच, (4) पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा, (5) स्कूल पूर्व शिक्षा एवं (6) संदर्भन सेवायें।

उक्त सेवाओं के अन्तर्गत लाभार्थियों को कैलोरी व प्रोटीन सम्बन्धी पोषण आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रतिमाह निर्धारित मात्रा में फोर्टिफाइड अनुपूरक पुष्टाहार उपलब्ध कराया जा रहा है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर लाभार्थियों के पोषण स्तर के सही चिन्हांकन एवं नियमित वृद्धि निगरानी हेतु ग्रोथ मानीटरिंग डिवाइसेज के माध्यम से नियमित वजन एवं लम्बाई/ऊँचाई की माप लेकर पोषण ट्रैकर पर अंकित किया जा रहा है।

गम्भीर रूप से कुपोषित बच्चों के चिन्हीकरण, उपचार तथा चिकित्सीय प्रबन्धन हेतु विगत 03 वर्षो से एक जन-आन्दोलन के रूप में 'सम्भव' अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत तीव्र कुपोषित बच्चों (सैम) का चिन्हीकरण करते हुये उनकी चिकित्सीय जांच कराकर आवश्यकतानुसार दवा उपलब्ध करायी गयी। फलस्वरूप 60 प्रतिशत से अधिक बच्चे गम्भीर तीव्र कुपोषित (सैम) से सामान्य श्रेणी में आये हैं।

लाभार्थियों एवं जन मानस में पोषण सम्बन्धी

जागरुकता हेतु पोषण पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत शीघ्र स्तनपान, केवल स्तनपान तथा पूरक आहार विषय पर वेबकास्ट के माध्यम से अब तक 05 पोषण पाठशालायें आयोजित की गयी हैं।

बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण व चिकित्सीय प्रबन्धन हेतु स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से प्रतिमाह ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस का आयोजन करते हुये गम्भीर अति कुपोषित बच्चो का स्वास्थ्य परीक्षण कराते हुये उन्हें आवश्यक दवाईयां उपलब्ध करायी जाती है। चिकित्सीय जटिलता वाले बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र/सी.एच.सी./पी.एच.सी. में संदर्भित कर उनका चिकित्सीय एवं पोषण प्रबन्धन कराया जाता है। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से चिकित्सीय/पोषण प्रबन्धन की ऑन-लाईन मानीटरिंग की जा रही है।

उक्त के अतिरिक्त पोषण अभियान के अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों पर प्रतिमाह समुदाय आधारित गतिविधियां यथा-अन्नप्राशन, गोदभराई, सुपोषण दिवस, वॉश डे, वजन दिवस आदि का आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष सितम्बर माह में पोषण माह व मार्च माह में पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है।

उपर्युक्तानुसार किये गये प्रयासों से पोषण स्तर में सुधार हुआ है एवं वर्षानुवर्ष कुपोषित बच्चों की संख्या में कमी आयी है। इसके अन्तर्गत जनपद महराजगंज में विगत 03 वर्षो 67770 बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हुआ है।

(ग) क्या उक्त कुपोषित बच्चों के निमित्त प्रदत्त सरकारी धन का दुरूपयोग किया गया है ?

जी नहीं।

(घ) क्या उक्त की उच्च स्तरीय जॉच कराकर जॉच आख्या सदन की मेज पर रखेंगे ?

उपरोक्तानुसार।

बेबी रानी मौर्य
मंत्री।